अगर श्याम बंसी बजाई न होती

अगर श्याम बंसी बजाई न होती,
कोई प्रेमिका मुस्कुराई न होती,
अगर राधिका दिल लगाई न होती,
कभी प्रीत दुनिया में आई न होती
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

अगर रास ब्रिज में न मोहन रचाते,
भाव ज़माने में नही देख पाते,
जो कान्हा में राधा समाई न होती,
कही दिल किसी ने लगाई न होती,
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

अगर कान्हा के राधा बन जाती नारी,
नही प्रीत रिश्तो में हो पाती भरी ,
अगर राधिका प्यार पाई न होती,
जो मोहन की मुरली चुराई न होती,
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

राधा के कान्हा होते न दीवाने,
महोबत के मोसम न होते सुहाने,
अगर गोपियाँ सब न होती बेगानी,
नये इश्क की कोई बनती कहानी,
अगर श्याम बंसी बजाई न होती,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8841/title/agar-shyam-bansi-bajaai-na-hoti-koi-premika-mushkaai-na-hoti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |